कार्यालयः जिला एवं सेशन न्यायालय सवाई माधोपुर

क्रमांक : लेखा / 2025 / 191.

दिनांक : 29/9/25

इलेक्ट्रॉनिक्स आईट्म्स हेतु सीमित निविदा सूचना

माननीय उच्च न्यायालय जोधपुर के पृष्ठांकन क्रमांक ।।।/(1)बी/बजट/2025–26/60/79/2856–2875 दिनांक 15.07.2025 के क्रम में जिला मुख्यालय पर स्थित अधीनस्थ न्यायालयों में **1.76 लाख रुपये** की अनुमानित लागत के नवीन फर्नीचर आईटम क्रय किये जाने है, इस हेतु रजिस्टर्ड निर्माता, थोक विक्रेताओं, अधिकृत डीलर से अलग–अलग मुहरबंद निविदायें दिनांक 07.10.2025 को 12:00 बजे तक प्राप्त की जाकर उसी दिन अपरान्ह 3:00 बजे अधोहस्ताक्षरकर्ता के कक्ष में उपस्थित निविदादाताओं के समक्ष समिति द्वारा खोली जावेगी। किसी भी निविदा को स्वीकार/अस्वीकार करने का अधिकार समिति को होगा। निविदा प्रपत्र 200/–रू का डीडी या ऑनलाईन चालान जमा कराकर प्राप्त/एसपीपीपी पोर्टल से डाउनलोड किया जा सकता है। निविदा की सम्पूर्ण विवरण एवं शर्तें वेबसाइट http://ecourt.gov.in/Sawaimadhopur एवं राजस्थान सरकार के पोर्टल http://sppp.rajasthan.gov.in पर तथा इस कार्यालय में किसी भी कार्य दिवस को देखी जा सकती हैं।

-सd-
अध्यक्ष
क्रय समिति एवं
न्यायाधीश एस.सी./एस.टी.कोर्ट
सवाई माधोपुर

क्रमांक : लेखा / 2025 / 192-194

दिनांक : 29/9/25

प्रतिलिपि निम्न को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित हैः–

1. श्रीमान् जिला एवं सैशन न्यायाधीश, सवाई माधोपुर।
2. सिस्टम ऑफिसर, जिला न्यायालय, सवाई माधोपुर को प्रेषित कर लेख है कि उक्त सूचना एसपीपीपी पोर्टल (http://sppp.rajasthan.gov.in) पर तथा http://ecourt.gov.in/Sawaimadhopur पर अपलोड करने का श्रम करावें।
3. नोटिस बोर्ड कार्यालय हाजा, कलेक्ट्रेट सवाई माधोपुर पर चस्पा हेतु।

अध्यक्ष
क्रय समिति एवं
न्यायाधीश, एस.सी./एस.टी. कोर्ट
सवाई माधोपुर

कार्यालय जिला एवं सेशन न्यायालय सवाई माधोपुर

निविदा प्रपत्र (तकनीकी)

निविदा/बोली सूचना संख्या...../2025–2026 निविदा शुल्क 200/–

1. नाम एवं पता निविदाकार फर्म/संस्थान : .....
   .....
2. फोन नम्बर/मोबाईल नम्बर .....
3. निविदा का नाम : नवीन फर्नीचर आईट्म्स हेतु
4. निविदा की अनुमानित लागत : 1,76,000/–
5. बयाना राशि (2%) जमा रशीद/डी.डी संख्या : .....
6. आयकर पैन नम्बर : .....(प्रति संलग्न करें)
7. जीएसटी नम्बर : .....(प्रति संलग्न करें)
8. निविदा शुल्क जमा का विवरण : डीडी नं0/रसीद संख्या .....

निविदा दाता के हस्ताक्षर मय सील

निविदादाता द्वारा घोषणा

मै/हम घोषणा करता हूँ/करते है कि मैने/हमने जिन मालों/सामानो/उपकरणों के लिए निविदा दी है, उनका/उनके मै/हम वास्तविक व्यापार कर्ता/अधिकृत थोक विक्रेता एवं उत्पादनकर्ता हूँ/है।

यदि यह घोषणा असत्य पायी जाए तो किसी भी अन्य कार्यवाही, जो की जा सकती है, पर प्रतिकूल प्रभाव डाले बिना मेरी/हमारी प्रतिभूति को पूर्ण रूप से समपहृत कर लिया जा सकेगा तथा निविदा को जिस सीमा तक उसे स्वीकार किया गया है, रद्द किया जा सकेगा।

निविदा दाता के हस्ताक्षर मय सील

umesh

निविदादाता द्वारा घोषणा

मैं/हम घोषणा करता हूँ/करते है कि मैने/हमने जिन मालों/सामानो/उपकरणों के लिए निविदा दी है, उनका/उनके मै/हम वास्तविक व्यापार कर्ता/अधिकृत थोक विक्रेता एवं उत्पादनकर्ता हूँ/है।

यदि यह घोषणा असत्य पायी जाए तो किसी भी अन्य कार्यवाही, जो की जा सकती है, पर प्रतिकूल प्रभाव डाले बिना मेरी/हमारी प्रतिभूति को पूर्ण रूप से समपहृत कर लिया जा सकेगा तथा निविदा को जिस सीमा तक उसे स्वीकार किया गया है, रद्द किया जा सकेगा। साथ ही यह भी घोषणा की जाती है कि हमारी फर्म को किसी भी कार्यालय द्वारा ब्लैक लिस्टेड़ नहीं किया गया।

निविदा दाता के हस्ताक्षर मय सील

(नोटेरी से प्रमाणित करवाया जाए)

umesh

कार्यालय जिला एवं सेशन न्यायालय,सवाई माधोपुर

निविदा की शर्तें

नोट :–

निविदादाता को इन शर्तो को सावधानीपूर्वक पढना चाहिए तथा निविदा भेजते समय इनकी पूर्ण रूपेण पालना करनी चाहिए। इन शर्तो के प्रत्येक पृष्ठ पर निविदा प्रस्तावक के हस्ताक्षर होना आवश्यक है अन्यथा निविदा पर विचार नही किया जावेगा। इस निविदा के क्रम में किए जाने वाले क्रय पर सामान्य वित्तीय एवं लेखा नियम, राजस्थान लोक उपापन में पारदर्शिता अधिनियम 2012 एवं राजस्थान लोक उपापन में पारर्दिशता नियम 2013 के प्रावधान प्रभावी होगें। सामग्री की आपूर्ति के संबंध में दर प्रस्तुत करते समय राजस्थान लोक उपापन में पारदर्शिता नियम 2013 के नियम 46 के अनुसार दर प्रस्तुत करते समय सामग्री का तकनीकी विवरण लिखा जावें जिसके आधार पर दर व किस्म में तुलना की जा सकें।

1. आदेशित सामग्री की मात्रा में कमी अथवा वृद्वि के सम्बंध मे समस्त अधिकार क्रय समिति, जिला न्यायालय, सवाई माधोपुर के पास सुरक्षित होगे।
2. निविदादाता द्वारा प्रस्तुत दरों में जीएसटी एवं अन्य समस्त कर एवं समस्त प्रकार के प्रभार सम्मिलित होंगे तथा सामग्री जिले में संचालित सम्बंन्धित न्यायालयों में आपूर्ति करनी होगी जिसका अलग से कोई चार्ज देय नहीं होगा।
3. निविदा प्रपत्र स्याही से या टंकन से भरा जाएगा। **पेंसिल से भरी हुई किसी भी निविदा पर विचार नहीं किया जाएगा।**
4. दरें नियत स्थान पर अंको एवं शब्दों दोनों में लिखी जाएगी। इसमें कोई काट–छांट एवं उपरी लेखन नही होना चाहिए, यदि कोई शुद्वियां करनी आवश्यक हो तो वे स्पष्ट रूप से की जानी चाहिए एवं दिनांक सहित उन पर लघु हस्ताक्षर किए जाने चाहिए।
5. निविदा दाता द्वारा प्रस्तुत दरों में अंको एवं शब्दों में वर्णित दरों में अन्तर नही होना चाहिए। अंतर होने की स्थिति में जो भी दर कम होगी उस पर विचार किया जाएगा।
6. आपूर्तिकर्ता अपनी संविदा को किसी अन्य एजेंसी के लिए नहीं सौपेगा या उपभाडे (सब–लैट) पर नही देगा।
7. **निविदादाता को निविदा प्रपत्र के साथ क्रय की जाने वाली सामग्री के फोटोग्राफ एवं क्वालिटी का विवरण प्रस्तुत करना होगा, एवं क्रय समिति के चाहने पर संबंधित सामग्री का सेम्पल भी क्रय समिति के समक्ष प्रस्तुत करना होगा।**
8. आपूर्ति के पश्चात् कोई गुणवता सम्बंधी विपरीत स्थिति पाई जाती है तो समस्त जिम्मेदारी आपूर्तिकर्ता फर्म की होगी तथा सामग्री कीएक वर्ष की गारण्टी होगी।
9. सफल निविदादाता द्वारा सप्लाई की गई सामग्री का विभाग किसी भी समय सामग्री की निविदा के स्पेसीफिकेशन अनुसार सरकारी प्रयोगशाला से जांच कराने के लिए स्वतंत्र होगा। यदि सामग्री निविदा के स्पेसीफिकेशन अनुसार पाई गई तो जांच के परीक्षण प्रभार सरकार द्वारा वहन किए जाएंगे अन्यथा उक्त प्रभार निविदादाता को वहन करने होगें।
10. **निरीक्षण या परीक्षण के दौरान जो वस्तुए निर्धारित मापदण्ड के अनुसार नहीं पाई जाएगी, उन्हे रद्द कर दिया जाएगा तथा निविदादाता द्वारा ऐसी वस्तुओं/सामग्री को क्रेता अधिकारी द्वारा नियत समय (1 माह) के भीतर अपनी स्वंय की लागत पर बदलना होगा।**
11. निविदादाता उचित पैकिंग/फिक्सिंग करने के लिए उतरदायी होगा। किसी प्रकार की हानि, क्षति, कमी होने के मामले में निविदादाता उन सामग्रियों की जांच/निरीक्षण किए जाने पर पाई गई हानि एवं कमी की पूर्ति करने के लिए उतरदायी होगा। इसके लिए कोई अतिरिक्त लागत स्वीकार नही की जाएगी।
12. आपूर्तिकर्ता द्वारा सामग्री की आपूर्ति कार्यादेश देने की दिनांक से **15 दिन** की अवधि के अन्दर की जाएगी।
13. यदि क्रेताधिकारी किन्ही निविदत्त वस्तुओं की खरीद नही करता है या निविदा प्रपत्र में निर्दिष्ट मात्रा में कम मात्रा में माल खरीदता है तो निविदादाता किसी क्षति पूर्ति का क्लेम करने के अधिकृत नही होगा।
14. **वसूलियां** :– परिनिर्धारित नुकसानी, कम प्रदाय, रद्द की गई वस्तुओं के लिए वसूली साधारण रूप से बिलो में रोकी जाएगी। कम सप्लाई, रद्द किये गये माल की मात्रा की राशि को भी रोका जा सकेगा तथा यदि सप्लायर संतोषजनक ढंग से उनको नही बदलता है तो परिनिर्धारित क्षति (Liquidated Damages) के साथ वसूली उसकी देय राशि क्लेम्स एवं विभाग के पास उपलब्ध प्रतिभूति निक्षेप से की जाएगी।

Umesh

15. क्रेता अधिकारी किसी भी निविदा को जो आवश्यक रूप से न्यूनतम दर की निविदा नही है, स्वीकार करने, बिना कोई कारण बतलाए, किसी भी निविदा को रद्द करने या जिन वस्तुओ के लिए निविदादाता ने निविदा दी है, उन सबके लिए या किसी एक या अधिक के लिए निविदा को स्वीकार करने या एक फर्म/सप्लायर से अधिक से अधिक सामान की मदों को वितरित करने के अधिकार को अपने पास आरक्षित रखेगा।
16. यदि संविदा के निर्वचन आशय का संविदा की शर्तो के उल्लंघन के संबंध में कोई विवाद उत्पन्न होता है तो वह प्रकरण विभागाध्यक्ष को भेजा जाएगा एवं इसमें अंतिम निर्णय विभागाध्यक्ष का ही होगा, जो कि निविदादाता को मान्य होगा।
17. समस्त विधिक कार्यवाही, यदि संस्थित किया जाना आवश्यक हो, तो किसी भी पक्षकार सरकार को निविदादाताओ द्वारा सवाई माधोपुर न्यायिक क्षेत्र में स्थित न्यायालयों में ही पेश की जाएगी।
18. उपरोक्त शर्तो के अतिरिक्त जहां आवश्यक हो राजस्थान सरकार के सामान्य वित्तीय एवं लेखा नियम और राजस्थान लोक उपापन अधिनियम–2012 एवं पारदर्शिता नियम, 2013 के प्रावधान यथास्थान लागू होंगे।

- मै/हम घोषणा करता हूँ/करते है कि मैने/हमने उपर्युक्त समस्त शर्तो को सावधानी पूर्वक पढ एवं समझ लिया है जो हमें स्वीकार्य है, जिसकी सहमति के रूप में निविदा के प्रत्येक पृष्ठ पर हस्ताक्षर कर दिए है।

निविदादाता के हस्ताक्षर मय सील
नाम.....
मोबाईल न.....

Umesh

कार्यालय : जिला एवं सेशन न्यायाधीश, सवाई माधोपुर

फर्नीचर आईट्म्स आपूर्ति हेतु वित्तीय निविदा पपत्र

निविदादाता का नाम.....

क.सं.	आपूर्ति आइटम	स्पेशिफिकेशन	अनुमानित मात्रा	प्राप्त दरें (प्रतिनग) मय समस्त कर
1.	कम्प्यूटर टेबल, (वुडन)	कम्प्यूटर टेबल 4x2.5 x2.5 फिट तीन साईड कवर्ड मेड ऑफ 17 एमएम लेमिनेटेड बोर्ड विद् की–बोर्ड, ड्रावर+ सी.पी.यू. बॉक्स एवं 1 साईड दराज व बॉक्स	01	रू में..... शब्दों में ....
2.	रिवोल्विंग चेयर	रिवोल्विंग चेयर एक्जीक्यूटिव चेयर सुपीरियर कुशन सीट, 40 एमएम सीट एंड बैक हाईड्रोलिक बेस (हैवी) ऑन 5 व्हील विद् आर्म	01	रू में..... शब्दों में ....
3.	स्टील अलमारी	स्टील अलमारी 78x36 x18 (न्यूनतम बज़न 68 किलो.) 4 शेल्फ मेकिंग, 5 कम्पार्टमेंट 22 गेज सीट, डोर 20 गेज	06	रू में..... शब्दों में ....
4.	स्टील रैक्स	स्टील रैक्स 78x36 x15 (न्यूनतम बजन 28 किलो.) 6 शेल्फ, 22 गेज सीट फिटेड फॉर एडजेस्टेबल सेल्फ	02	रू में..... शब्दों में ....
5.	सोफा सेट(3+1+1)	(1) टीक वुड फ्रेम,सोफा विद कुशन सीट बैक विद 3 पीस सुपीरियर क्वालिटी, ट्रेपेस्टिक व पीयू फोम सीट 40 डेनसिटी बैक 32 डेनसिटी(3+1+1)	01	रू में..... शब्दों में ....
6.	सेन्टर टेबल	साईज 2.5'x2', 19 एमएम प्लाई बोर्ड विद सनमाईका	01	रू में..... शब्दों में ....
7.	प्रिंटर	Multifunction Printer with A.D.F. (Print/Copy/Scan) Duplex And Wi-Fi Connectivity Mobile Printing	01	रू में..... शब्दों में ....

Umesh

निविदादाता के हस्ताक्षर मय सील
नाम.....
मोबाईल न.....

तकनीकी निविदा के मुहरबन्द लिफाफे में रखे जाने वाले दस्तावेजों का विवरण :–

क्र.सं.	दस्तावेजो को विवरण	संलग्न है अथवा नही
1	हस्ताक्षरित मूल निविदा प्रपत्र मय पृ.सं.	
2	निविदा शुल्क जमा का विवरण संलग्न करे ।	
3	धरोहर राशि के सम्बंध में घोषणा पत्र।	
4	निविदादाता को निर्माता/अधिकृत विक्रेता/डीलर होने का प्रमाण पत्र	
5	फर्म की जी.एस.टी. पंजीयन प्रमाण–पत्र की स्वंय प्रमाणित की छाया प्रति।	
6	आयकर स्थायी खाता संख्या (पेन नं.) कार्ड की प्रतिलिपि।	
7	यदि भागीदारी फर्म रजिस्ट्रार ऑफ फर्म्स के पास पंजीकृत हो तो पंजीकृत संख्या एवं उसका वर्ष सहित दस्तावेजो की अभिप्रमाणित प्रति व भागीदारी विलेख (पार्टरनशिप डीड) की अभिप्रमाणित प्रति।	
8	फर्म का अनुभाव प्रमाण–पत्र	
9	फर्म को ब्लेक लिस्टेड नही किये जाने के सम्बन्ध में 50/– के नोन ज्युडिशियल स्टाम्प पर शपथ–पत्र	
10	अगर कोई फर्म MSME पर रजिस्टर्ड हो तो उपलब्ध सर्टिफिकेट	

निविदादाता के हस्ताक्षर मय सील

नाम.....
मो. .....

Umesh

(Annexure "F")

निविदादाता द्वारा घोषणा

मैं/हम घोषणा करता हूँ/करते है कि मैंने/हमने जिस सेवा प्रदाता कार्य की आपूर्ति का कार्य जहॉ कही भी किया है, उस कार्य हेतु विगत 3 वर्षो में कार्य समय पर पूर्ण न करने के कारण हमें किसी भी सरकारी विभाग/उपक्रम /कम्पनी द्वारा ब्लैकलिस्ट नहीं किया गया है।

हम यह घोषणा करते है की हमे किसी भी न्यायालय मे सेवा प्रदाता कार्य के सन्दर्भ मे कोई वाद लम्बित नहीं है तथा इस विषयान्तर्गत हमे किसी भी न्यायालय द्वारा दण्डित नहीं किया गया है।

दिनांकः

हस्ताक्षर

फर्म का

नाम

पता

umesh

(Annexure "E")

निविदादाता द्वारा घोषणा

मैं/हम घोषणा करता हूँ/करते है कि मैंने/हमने जिन मालों/सामानों /उपकरणों/ सेवा प्रदाता कार्य के लिए निविदा दी है, उनका/उनके मैं/हम बोनाफाईड प्रदाता/प्रदाता के अधिकृत प्रतिनिधि **(Authorised Singnatory)** जिसे इस निविदा हेतु अधिकृत किया गया है/केन्द्र सरकार/राज्य सरकार के उपक्रम है।'

यदि यह घोषणा असत्य पायी जाए तो किसी भी अन्य कार्यवाही जो की जा सकती है पर प्रतिकूल प्रभाव डाले बिना, मेरी/हमारी प्रतिभूति को पूर्ण रूप में समपहृत किया जा सकेगा तथा निविदा को जिस सीमा तक उसे स्वीकार किया गया है, रद्द किया जा सकेगा।

दिनांक

कृपया सही पर ✓ करें।

हस्ताक्षर

फर्म का नाम

पता

Umesh

Annexure A : Compliance with the Code of Integrity and No Conflict of Interest

Any person participating in a procurement process shall -

(a) not offer any bribe, reward or gift or any material benefit either directly or indirectly in exchange for an unfair advantage in procurement process or to otherwise influence the procurement process;

(b) not misrepresent or omit that misleads or attempts to mislead so as to obtain a financial or other benefit or avoid an obligation;

(c) not indulge in any collusion, Bid rigging or anti-competitive behavior to impair the transparency, fairness and progress of the procurement process;

(d) not misuse any information shared between the procuring Entity and the Bidders with an intent to gain unfair advantage in the procurement process;

(e) not indulge in any coercion including impairing or harming or threatening to do the same, directly or indirectly, to any party or to its property to influence the procurement process;

(f) not obstruct any investigation or audit of a procurement process;

(g) disclose conflict of interest, if any; and

(h) disclose any previous transgressions with any Entity in India or any other country during the last three years or any debarment by any other procuring entity.

Conflict of Interest:-

The Bidder participating in a bidding process must not have a Conflict of Interest.

A Conflict of Interest is considered to be a situation in which a party has interests that could improperly influence that party's performance of official duties or responsibilities, contractual obligations, or compliance with applicable laws and regulations.

i. A Bidder may be considered to be in Conflict of Interest with one or more parties in a bidding process if, including but not limited to:

a. have controlling partners/ shareholders in common; or

b. receive or have received any direct or indirect subsidy from any of them; or

c. have the same legal representative for purposes of the Bid; or

d. have a relationship with each other, directly or through common third parties, that puts them in a position to have access to information about or influence on the Bid of another Bidder, or influence the decisions of the Procuring Entity regarding the bidding process; or

e. the Bidder participates in more than one Bid in a bidding process. Participation by a Bidder in more than one Bid will result in the disqualification of all Bids in which the Bidder is involved. However, this does not limit the inclusion of the same subcontractor, not otherwise participating as a Bidder, in more than one Bid; or

f. the Bidder or any of its affiliates participated as a consultant in the preparation of the design or technical specifications of the Goods, Works or Services that are the subject of the Bid; or

g. Bidder or any of its affiliates has been hired (or is proposed to be hired) by the Procuring Entity as engineer-in-charge/ consultant for the contract.

Doc1

Ramesh

Annexure B : Declaration by the Bidder regarding Qualifications

Declaration by the Bidder

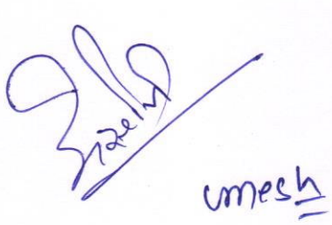
In relation to my/our Bid submitted to ..... for procurement of ..... in response to their Notice Inviting Bids No..... Dated..... I/we hereby declare under Section 7 of Rajasthan Transparency in Public Procurement Act, 2012, that:

1. I/we possess the necessary professional, technical, financial and managerial resources and competence required by the Bidding Document issued by the Procuring Entity;
2. I/we have fulfilled my/our obligation to pay such of the taxes payable to the Union and the State Government or any local authority as specified in the Bidding Document;
3. I/we are not insolvent, in receivership, bankrupt or being wound up, not have my/our affairs administered by a court or a judicial officer, not have my/our business activities suspended and not the subject of legal proceedings for any of the foregoing reasons;
4. I/we do not have, and our directors and officers not have, been convicted of any criminal offence related to my/our professional conduct or the making of false statements or misrepresentations as to my/our qualifications to enter into a procurement contract within a period of three years preceding the commencement of this procurement process, or not have been otherwise disqualified pursuant to debarment proceedings;
5. I/we do not have a conflict of interest as specified in the Act, Rules and the Bidding Document, which materially affects fair competition;

Date:
Place:

Signature of bidder
Name :
Designation:
Address:

Doc1



Annexure C : Grievance Redressal during Procurement Process

The designation and address of the First Appellate Authority is Director, ICDS, Rajasthan
The designation and address of the Second Appellate Authority is Secretary, WCD, Rajasthan

(1) Filing an appeal

If any Bidder or prospective bidder is aggrieved that any decision, action or omission of the Procuring Entity is in contravention to the provisions of the Act or the Rules or the Guidelines issued thereunder, he may file an appeal to First Appellate Authority, as specified in the Bidding Document within a period of ten days from the date of such decision or action, omission, as the case may be, clearly giving the specific ground or grounds on which he feels aggrieved:

Provided that after the declaration of a Bidder as successful the appeal may be filed only by a Bidder who has participated in procurement proceedings:

Provided further that in case a Procuring Entity evaluates the Technical Bids before the opening of the Financial Bids, an appeal related to the matter of Financial Bids may be filed only by a Bidder whose Technical Bid is found to be acceptable.

(2) The officer to whom an appeal is filed under para (1) shall deal with the appeal as expeditiously as possible and shall endeavour to dispose it of within thirty days from the date of the appeal.

(3) If the officer designated under para (1) fails to dispose of the appeal filed within the period specified in para (2), or if the Bidder or prospective bidder or the Procuring Entity is aggrieved by the order passed by the First Appellate Authority, the Bidder or prospective bidder or the Procuring Entity, as the case may be, may file a second appeal to Second Appellate Authority specified in the Bidding Document in this behalf within fifteen days from the expiry of the period specified in para (2) or of the date of receipt of the order passed by the First Appellate Authority, as the case may be.

(4) Appeal not to lie in certain cases

No appeal shall lie against any decision of the Procuring Entity relating to the following matters, namely:-

(a) determination of need of procurement;
(b) provisions limiting participation of Bidders in the Bid process;
(c) the decision of whether or not to enter into negotiations;
(d) cancellation of a procurement process;
(e) applicability of the provisions of confidentiality.

(5) Form of Appeal

(a) An appeal under para (1) or (3) above shall be in the annexed Form along with as many copies as there are respondents in the appeal.
(b) Every appeal shall be accompanied by an order appealed against, if any, affidavit verifying the facts stated in the appeal and proof of payment of fee.

Doc1

Umesh

(c) Every appeal may be presented to First Appellate Authority or Second Appellate Authority, as the case may be, in person or through registered post or authorised representative.

(6) Fee for filing appeal

(a) Fee for first appeal shall be rupees two thousand five hundred and for second appeal shall be rupees ten thousand, which shall be non-refundable.

(b) The fee shall be paid in the form of bank demand draft or banker's cheque of a Scheduled Bank in India payable in the name of Appellate Authority concerned.

(7) Procedure for disposal of appeal

(a) The First Appellate Authority or Second Appellate Authority, as the case may be, upon filing of appeal, shall issue notice accompanied by copy of appeal, affidavit and documents, if any, to the respondents and fix date of hearing.

(b) On the date fixed for hearing, the First Appellate Authority or Second Appellate Authority, as the case may be, shall,-

(i) hear all the parties to appeal present before him; and

(ii) peruse or inspect documents, relevant records or copies thereof relating to the matter.

(c) After hearing the parties, perusal or inspection of documents and relevant records or copies thereof relating to the matter, the Appellate Authority concerned shall pass an order in writing and provide the copy of order to the parties to appeal free of cost.

(d) The order passed under sub-clause (c) above shall also be placed on the State Public Procurement Portal.

Umesh

Doc1

Annexure D : Additional Conditions of Contract

1. Correction of arithmetical errors

Provided that a Financial Bid is substantially responsive, the Procuring Entity will correct arithmetical errors during evaluation of Financial Bids on the following basis:

i. If there is a discrepancy between the unit price and the total price that is obtained by multiplying the unit price and quantity, the unit price shall prevail and the total price shall be corrected, unless in the opinion of the Procuring Entity there is an obvious misplacement of the decimal point in the unit price, in which case the total price as quoted shall govern and the unit price shall be corrected;

ii. If there is an error in a total corresponding to the addition or subtraction of subtotals, the subtotals shall prevail and the total shall be corrected; and

iii. If there is a discrepancy between words and figures, the amount in words shall prevail, unless the amount expressed in words is related to an arithmetic error, in which case the amount in figures shall prevail subject to (i) and (ii) above.

If the Bidder that submitted the lowest evaluated Bid does not accept the correction of errors, its Bid shall be disqualified and its Bid Security shall be forfeited or its Bid Securing Declaration shall be executed.

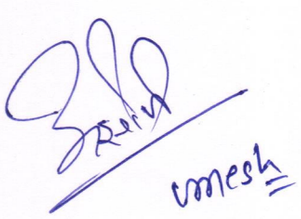
2. Procuring Entity's Right to Vary Quantities

i. If the Procuring Entity does not procure any subject matter of procurement or procures less than the quantity specified in the Bidding Document due to change in circumstances, the Bidder shall not be entitled for any claim or compensation except otherwise provided in the Conditions of Contract.

ii. In case of procurement of Goods or services, additional quantity may be procured by placing a repeat order on the rates and conditions of the original order. However, the additional quantity shall not be more than 50% of the value of Goods of the original contract and shall be within one month from the date of expiry of last supply. If the Supplier fails to do so, the Procuring Entity shall be free to arrange for the balance supply by limited Bidding or otherwise and the extra cost incurred shall be recovered from the Supplier.

3. Dividing quantities among more than one Bidder at the time of award (In case of procurement of Goods)

As a general rule all the quantities of the subject matter of procurement shall be procured from the Bidder, whose Bid is accepted. However, when it is considered that the quantity of the subject matter of procurement to be procured is very large and it may not be in the capacity of the Bidder, whose Bid is accepted, to deliver the entire quantity or when it is considered that the subject matter of procurement to be procured is of critical and vital nature, in such cases, the quantity may be divided between the Bidder, whose bid is accepted and the second lowest Bidder or even more Bidders in that order, in a fair, transparent and equitable manner at the rates of the Bidder, whose bid is accepted.



कार्यालय टिप्पणी

महोदय,

महोदय निवेदन है कि माननीय राजस्थान उच्च न्यायालय, जोधपुर के पत्र क्रमांकः III/(1)बी/बजट/2025–26/60/79/2856–2875 दिनांक 15.07.2025 के क्रम में जिला न्यायालय एवं अधीनस्थ न्यायालयों के लिए विभिन्न नवीन आईटम क्रय करने हेतु वित्तिय वर्ष 2025 के अंतर्गत बजट सीमा निर्धारण कर स्वीकृति प्रदान की है। इस हेतु जिला न्यायालय सवाई माधोपुर पर स्थित अपर जिला एवं सेशन न्यायालय हेतु 03 नवीन आलमारी क्रय करने हेतु 45,000/– रुपये तथा अति0 मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट, सवाई माधोपुर हेतु 03 नवीन आलमारी, 02 स्टील रैक्स, 01 कम्प्यूटर टेबल तथा प्रिंटर क्रय करने हेतु 75,000/– रुपये तथा अति0 मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट, बौंली जिला– सवाई माधोपुर में पीठासीन अधिकारी के अवकाशागार हेतु सोफा सेट, रिवॉल्विंग चेयर एवं सेंटर टेबल क्रय करने हेतु 56,000/– रुपये स्वीकृत किये गये है। उपरोक्त राशि 1,76,000/– रुपये का कुल नवीन आईटम क्रय किया जाना है।

उपरोक्त आवंटित राशि **02 लाख** से कम होने के कारण सीमित निविदा आमंत्रित किये जाने हेतु पत्रावली अवलोकनार्थ, आदेशार्थ एवं हस्ताक्षरार्थ प्रस्तुत है।

Umesh Goyal (JRA)

श्रीमान अध्यक्ष, उपापन समिति,
सवाई माधोपुर

Yes as proposed.